वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 61 | मंगलवार 25 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दिया कुमारी को मिला वूमेन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर

इंडिया सम्मान तथा राजस्थान पर्यटन को पटवा इंटरनेशनल ट्रैवल अवार्ड से किया जाएगा सम्मानित, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के नेतृत्व में राजस्थान देश और दुनिया में बन रहा पर्यटन का सिरमौर

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्य की उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी को वूमेन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया के सम्मान से आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सम्मानित किया जाएगा। वहीं आईटीबी, बर्लिन जर्मनी में ही राजस्थान को डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर रॉयल एक्सपिरिएंसेस के लिए पटवा इंटरनेशनल ट्रैवल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के नेतृत्व में पर्यटन विभाग राजस्थान को देश ही नहीं दुनिया में पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए जुटा हुआ है। उपमुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विभाग के द्वारा देश और दुनिया के विभिन्न पर्यटन मंचों पर निरंतर प्रयास कर राजस्थान पर्यटन की ब्रांडिंग की जा रही है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार, केंद्र सरकार की मंशानुरूप कार्य करते हुए राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। इसी के फलस्वरूप पेसिफिक एरिया ट्रैवल राइटर्स संगठन (पटवा) के द्वारा राजस्थान को डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर रॉयल एक्सपिरिएंसेस के लिए वर्ष 2024 सम्मान के लिए चयनित किया गया है। यह अवार्ड पटवा के द्वारा आई टी बी, बर्लिन में दिए जाएंगे। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा आईटीबी बर्लिन जर्मनी मार्ट में प्रतिवर्ष भाग लिया जाता है। गत वर्ष पर्यटन विभाग द्वारा प्रतिनिधि दल के साथ भाग लिया गया तथा जर्मनी एवं यूरोप के ट्रैवल एजेंटस के सामने राजस्थान के रॉयल एक्सपिरिएंसेज तथा पर्यटन उत्पादों की बेहतरीन ब्रांडिंग की गई। जर्मनी में स्थित भारतीय दूतावास में भी यूरोप और जर्मनी के ट्रैवल टूर ऑपरेटर्स के साथ विशेष सत्र का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान पर्यटन के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया गया। यह गतिविधि अत्यधिक प्रभावशाली रही और यूरोपीय टूर ऑपरेटर्स ने अधिक से अधिक पर्यटकों को भेजने की मंशा जाहिर की।

राजस्थान में वर्ष 2023 में आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में 328.52% की वृद्धि

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के नेतृत्व में राजस्थान पर्यटन के विभिन्न पहलुओं की देश और दुनिया में सघनता से ब्रांडिंग की जा रही है। जयपुर में हाल ही में सफलतापूर्वक ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार का आयोजन किया गया है। आईजीटीबी का विदेशी टूर ऑपरेटर्स के द्वारा बेहतरीन रेस्पोंस मिल रहा है। इसी प्रकार जयपुर में वेड इन इंडिया एक्सपो आयोजित कर राजस्थान की वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में ब्रांडिंग की गई है। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए लगातार नियमित रूप से गतिविधियों के माध्यम से सफलता पूर्वक प्रयास किए जा रहे हैं। उक्त प्रयासों के तहत ही राजस्थान पर्यटन की विदेशी ट्रैवल मार्ट व ट्रेड फेयर में सशक्त उपस्थिति का परिणाम है कि राज्य में विदेशी सैलानियों का रुझान बढ़ा है और संख्या में उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है। वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में 328.52% की वृद्धि हुई है। विदेशी सैलानियों की यह संख्या ही विश्व में राजस्थान के पर्यटन के महत्व को बताने के लिए पर्याप्त है। घरेलू पर्यटकों की संख्या में भी 65% की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023 में राजस्थान घूमने आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या 18 करोड़ 7 लाख 51 हजार 794 रही।

राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में रेडक्रॉस सोसाइटी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

एनीमिया मुक्त राजस्थान के लिए कार्य होगा: राज्यपाल मिश्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य में विद्यार्थियों को निशुल्क एक दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण की पहल होगी। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और रेडक्रॉस सोसायटी के समन्वय से प्रदेश में इसे क्रियान्वित किया जाएगा। राज्यपाल मिश्र ने सोमवार को राजभवन में रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक मे संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में शीघ्र कार्य प्रारंभ होगा। इसके लिए हर जिले से चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 10 मास्टर ट्रेनर्स की व्यवस्था की जाएगी। राज्यपाल ने बैठक में राज्य के 33 जिलों के अलावा नए 17 जिलों में रेडक्रॉस सोसायटी गठन के लिए प्रभावी कार्य किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में 31 जुलाई तक आवश्यक रूप से कार्यवाही कर ली जाए। उन्होंने जिलों में वृक्षारोपण के लिए भी रेडक्रॉस

सोसायटी द्वारा सक्रिय भूमिका निभाने और लगाए जाने वाले पौधों के संरक्षण के लिए भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने रेडक्रॉस के जरिए अंगदान और देहदान के लिए लोगों को प्रेरित करने, चिकित्सा उपकरणों में सहयोग के लिए जन सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंगदान के लिए आमजन को जागरूक करने के लिए विद्यालय स्तर पर कार्यवाही हो। इस पर बताया गया कि विद्यालयी पाठ्यक्रम में इसे शामिल करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जल्द विद्यार्थियों के लिए इसे लागू किया जाएगा। राज्यपाल मिश्र ने बैठक में टीबी मुक्त राजस्थान के लिए किए जाने वाले कार्यों में रेडक्रॉस की भागीदारी की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में अधिकाधिक निक्षय मित्र बनाने और आमजन की भागीदारी से कार्य किया जा रहा है। बैठक में राज्यपाल ने राजस्थान को एनीमिया मुक्त किए जाने के लिए भी प्रभावी कार्य किए जाने के निर्देश दिए। इस पर बताया गया कि राजस्थान और विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में एनीमिया बीमारी से मुक्त करने की पहल की जा रही है। राज्यपाल ने जनजातीय क्षेत्रों में एनीमिया रोगियों के बारे में नियमित जानकारी लेकर उनके लिए विशेष रूप से कार्य किए जाने पर जोर दिया।

मुनिश्री 108 अनुपम सागरजी महाराज व मुनि श्री 108 यतीन्द्र सागर जी महाराज संसघ का धर्म नगरी ब्यावर में होगा भव्य मंगल प्रवेश

ब्यावर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य 108 श्री विशुद सागर जी महाराज जी के परम प्रभावक शिष्य मुनि 108 श्री अनुपम सागर जी महाराज व मुनि श्री यतीन्द्र सागरजी महाराज कल ब्यावर की धर्म नगरी में भव्य मंगल प्रवेश होगा । दिगम्बर जैन समाज के मीडिया प्रभारी अमित गोधा ने बताया कि मुनिश्री ससघ का विहार विजयनगर से ब्यावर की ओर चल रहा है आज रात्रि विश्राम श्री ब्राह्मण स्वर्णकार पंचायत सभा दादा बाड़ी के सामने दादाबाडी रोड ब्यावर में होगा। मुनि श्री संसघ कल सुबह भव्य मंगल प्रवेश ब्यावर नगरी में होगा। आज विहार में दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा विकल कासलीवाल कमल रावका अमित गोधा पारसमल कासलीवाल नितिन छाबड़ा प्रकाश पाटनी जम्बू कुमार रावका रितेशफागीवाला राजकुमार पहाड़िया मनोज कासलीवाल विनोद काला मुकेश जैन संजीव गगवाल सुमित अजमेरा।

जगतपुरा जैन मंदिर के वार्षिक महोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रमों का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्राचीन अतिशकारी श्री शांतिनाथ दि जैन मदिर मुख्य बाजार स्थित के वार्षिक महोत्सव के पावन अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रमों का हर्षोल्लास से समापन समारोह हुआ कार्यक्रम मुख्य संयोजक विनोद पापडीवाल ने अवगत कराया प्रथम दिन डा अविनाश सरिता जैन द्वारा दीप प्रज्जवलित के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इसके पश्चात जगतपुरा एव जयपुर जैन समाज के श्रावक श्राविकाओं द्वारा 48 दीपकों द्वारा संगीतमय श्री भक्तामर दीप अनुष्ठान का ऐतिहासिक आयोजन किया गया इस अनुठे आयोजन में अंतरराष्ट्रीय संगीतकार नरेन्द्र जैन ने शानदार प्रस्तुति देकर कार्यकम मे चार चांद लगाए । इस अवसर जगतपुरा जैन समाज के वरिष्ठ सदस्यों का शाल पगड़ी पहनाकर एव प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया युवा परिषद् हेरीटेज संभाग की प्रमुख श्रीमती सुनीता गंगवाल को समाज में बेहतरीन योगदान बेहतर मंच संचालन के लिए जयपुर गोरव से नवाजा गया। दूसरे दिन प्रमुख समाजसेवी निर्मल प्रीति गोधा कैलाश माणक रमेश ठोलिया परिवार के झंडारोहण करने के पश्चात मंदिर जी से श्री जी को पालकी में विराजमान कर विशाल शोभायात्रा जूलूस एवं महिला मण्डल द्वारा घटयात्रा का रंगारंग आयोजन किया गया। इसके पश्चात वरिष्ठ प्रतिष्ठाचार्य विमल जी जैन वनेठा के नेतृत्व में संगीतमय श्री शांतिनाथ मण्डल विधान का किया गया जिसमें सोधर्म इन्द पदम चन्द्र प्रेम देवी पाटनी कुबेर इन्द हनुमान नीलम जैन एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य कमल मंजू वैद को मिला एवं वार्षिक महोत्सव के पावन अवसर पर पदम चन्द्र प्रेम देवी राकेश रेखा पाटनी परिवार की ओर से दिव्यांग लोगों को कृत्रिम पैर हाथ एवं अन्य जरुरतमंद उपकरण वितरण कर सभी दिव्यांगो का सम्मान किया गया।

स्किल डेवलपमेंट शिविर का हुआ शुभारभ

अजमेर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति के द्वारा पांच दिवसीय स्किल डेवलपमेंट का प्रोग्राम विद्यासागर तपोवन क्षत्रिय योजना में प्रारंभ हुआ । कार्यक्रम के संयोजक व प्रेरणा स्त्रोत मनोज मोडासिया रहे। महिला संभाग की अध्यक्ष रूपश्री जैन के प्रयास से बड़ी संख्या में सहभागी उपस्थित रहे। महासमिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी ने बताया कि शिविर में विभिन्न प्रकार की विधाओं को राष्ट्रीय स्तर के मैटर के द्वारा प्रशिक्षित किया गया। रूपश्री जैन ने बताया कि शिविर में योग की मैटर श्रीमती साधना दनघशिया ने अर्हम योग करवाया श्रीमान संजय सेठी के द्वारा मांडना व रंगोली का प्रशिक्षण दिया गया श्वेता कटारिया के द्वारा डांस अंजलि के द्वारा ब्यूटीशियन का वह मीना दोषी के द्वारा इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स प्रशिक्षण दिया गया मनोज मोडसिया एवं राजेंद्र पाटनी विनय गदिया , अशोक पहाड़ियां अजय दोषी कुसुम जैन के द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण किया गया महा समिति की मंत्री अनुभा बाकलीवाल , ट्रेजरार सुनीता गंगवाल , माहसमिति की सक्रिय सदस्य रिंकू जैन के द्वारा बच्चों को अल्पाहार का वितरण किया गया ।कार्यक्रम का समय प्रतिदिन 1:00 बजे से 3:00 तक विद्यासागर तपोवन में ही रखा गया है बताया गया कि शिविर के पश्चात समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

श्री 108 समत्व सागर जी मुनिराज ससंघ दुर्गापुरा मंदिर में मंगल प्रवेश एवं अल्प प्रवास

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के शिष्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी मुनिराज एवं श्री 108 शील सागर जी मुनिराज का दुगार्पुरा में 24 जून सोमवार को सांयकाल 6.00 बजे सिद्धार्थ नगर से विहार कर सांयकाल 6.30 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनिसंघ की अगवानी के लिए कृषि फार्म पर दुर्गापुरा समाज एवं महिला मण्डल दुगार्पुरा की भक्ति, विद्या सागर पाठशाला दुगार्पुरा के बच्चों ने हाथ में झंडे तथा वाद्ययंत्र बजाते हुए गाजे बाजे के साथ दुगार्पुरा मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश धर्म प्रभावना के साथ हुआ, ट्रस्ट के सभी ट्रस्टीगण ने मुनि संघ का पाद प्रक्षालन कर आरती की गई। प्रवेश में कीर्ती नगर सिद्धार्थ नगर समाज उपस्थित रहे। ट्रस्ट के मंत्री ने बताया कि मुनि संघ के अल्प प्रवास में प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से प्रवचन होंगे।

राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के संयोजकों एवं पदाधिकारीयों की हुई बैठक

अहिंसक आहार पर प्राप्त पोस्टरों की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत की अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के प्रांत स्तरीय संयोजकों की बैठक प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला की अध्यक्षता , कार्याध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस , धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या कामां एवं प्रतियोगिता के मुख्य संयोजक इंजीनियर प्रेमचंद जैन छाबड़ा के सानिध्य में दुगार्पुरा जैन मंदिर स्वाध्याय कक्ष में आयोजित हुई। धर्म जागृति संस्थान के महामंत्री सुनील पहाड़िया ने बताया कि बैठक का प्रारंभ णमोकार महामंत्र के साथ हुआ तथा उपस्थित

संयोजक रेखा पाटनी , अमित शाह ,सुभाष पहाड़िया ,राजेंद्र पापड़ीवाल सिद्ध सेठी आदि ने पोस्टर प्रतियोगिता की प्रगति के बारे में अवगत कराया। बैठक में राजेंद्र ठोलिया के प्रश्न पर अनिल जैन ने कहा कि शाकाहार का विस्तृत रूप अहिंसक आहार है , इधर संजय बडजात्या ने वर्तमान में जंक फूड, फास्ट फूड, डिब्बा बंद आहार जिसको हम शाकाहार समझते हैं जबकि वह अहिंसक आहार की श्रेणी में नहीं आता है । बैठक में शाकाहार चिन्ह लगे पैक्ड फूड में ई नाम से अभक्ष खाद्य पदार्थ होने पर तथा खाद्य पदार्थ को सोधन कर प्रयोग लेने पर चर्चा हुई। बैठक में पंकज लुहाड़िया कोषाध्यक्ष धर्म जागृति संस्थान ने अधिकाधिक प्रचार प्रसार कर आचार्य वसुनंदी महाराज व आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी द्वारा प्रदत्त अहिंसक आहार को घर-घर पहुँचाना इस प्रतियोगिता का लक्ष्य है। सभा में जयपुर महानगर अध्यक्ष राजीव लाखना को जयपुर में विस्तृत प्रचार प्रसार हेतु फ्लेक्स दिया गया तथा महेश काला अशोक लुहाड़िया , ऋषब सेठी , सुरेश शाह , सोभाग अजमेरा , महेंद्र जैन बसवा ,सुरेंद्र काला सहित सदस्यों को मंदिरों में लगाने हेतु पोस्टर दिये गये। पदम जैन बिलाला ने सभा को बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग भाग ले सकता है , परिवार के एक से ज्यादा सदस्य पोस्टर दे सकते है तथा पोस्टर घर से ही हाथ से बना कर देने है साथ ही बताया कि प्रत्येक सहभागी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा तथा प्राप्त पोस्टर्स की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। अंत में प्रेम छाबड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

व्यक्ति को जो कुछ भी मिला है वह सब अपने लिए उपयोग करना चाहिए: सुधासागरजी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

व्यक्ति को जो कुछ भी मिला है वह सब अपने लिए उपयोग करना चाहिए जैनदर्शन का सूत्र है-सबसे पहले सोचो आत्महित किसमे है परहित भी वही करो जिसमे आत्महित हो। दूसरे का हित करते हुए अपना अहित करना ये गलत बात है। तुम संकटो में जी लेना लेकिन किसी का एहसान मत लेना। हमारा यहाँ दान कितना देना है, इसका मूल्य नही है, यहाँ हमारे गजमोती भी कम है और मक्के के दाने भी अनमोल है। तुम्हारी शक्ति क्या है... ? जो शक्ति को छिपाता है वह साँप के काटे के समान जीता है और जो शक्ति से ज्यादा करता है, वह बिच्छू के काटे के समान तड़फता है। साँप का कांटा सोए और बिच्छू का कांटा रोये। पड़ोसी कितनी रोटी खा रहा है हमें ये नही देखना, हमें हमारी जठराग्नि को देखकर भोजन करना है उक्त आश्य केउद्गार मुनिपुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने सागर के निकट परसोरिया में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

थूवोनजी में चातुर्मास की भावना से जिला से कमेटी श्री फल भेंट कर रहे हैं: विजय धुर्रा

इस दौरान दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी में चातुर्मास की भावना लेकर अशोक नगर जिले की जैन समाज ने थूवोनजी कमेटी के संयोजक में मुनिपुगंव श्रीसुधासागरजी जी महाराज ससंघ को श्री फल भेंट कर चातुर्मास का निवेदन किया निवेदन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज अशोक नगर शाढ़ौरा जैन समाज मुंगावली चन्देरी ईसागढ़ बहदपुर बग्लाचौराह समाज के प्रतिनिधियों ने

थूवोनजी कमेटी के साथ श्री फल भेंट कर रहे हैं पूरे जिले से जैन समाज ये निवेदन लेकर आये है कि थूवोनजी में चातुर्मास हो इस भावना से श्री फल भेंट करने वाले में थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल उपाध्यक्ष गिरीश अथाईखेडा महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई शिरोमणि संरक्षण सजीव श्रंगार शालू भारत शैलेन्द्र ददा अशोक नगर समाज के महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजयधुर्रा रविकांत कासंल पवन जैन पतकार मुन्नावाझल मुनेश विजयपुरा सुनील घेलू शाढ़ौरा से निर्मल जैन प्रमोद जैन मनोज चोवे मुंगावली से संजयसिंघई त्रिलोक चंद जैन अनिल रोकड़िया चन्देरी सौरवजैन बहदपुर बाबूलाल जैन मनोज सरंचना बग्लाचौराह भोनू जैन ईसागढ़ आदि ने निवेदन प्रस्तुत किया।

किसी पर एहसान मत थोपना नहीं तो जिंदगी भर का पुण्य समाप्त हो जायेगा

सारी दुनिया जो कुछ भी कर रही है बाप बेटे पर एहसान लाद रहा है, देख मैंने तेरे ऊपर कितना एहसान किया, बेटा बाप पर एहसान कर रहा है कि देखो मैं आपकी कितनी सेवा कर रहा हूँ। 99.9% आप घरों में एक दूसरे पर एहसान कर रहे हो,

चींटी को बचाकर एहसान कर रहे हो और तो और तुम भगवान पर भी एहसान कर रहे हो। महानुभाव मंदिर बने या न बने, कभी एहसान मानकर मन्दिर में दान नही देना। जिंदगी भर का पुण्य भस्म हो जाता है जब एहसान आता है धर्म मे दो कार्य मत करना- एक कभी एहसान मत थोपना कि मेरे कारण से मंदिर बन गया, मेरे कारण से अभिषेक हो गया, चौका लग गया। दूसरा- मैं ही अकेला क्यों करूँ, मंदिर तो सबका है, स्वप्न में भी ये भाव मत लाना दान देते समय, नमोस्तु करते समय,अभिषेक पूजा करते समय, क्या सोचना-भगवान मेरा है। उन्होंने कहा कि भगवान के दर्शन से किंचित मात्र भी पुण्य नही है, दर्शन करते समय अनुभव में आये- ये मेरा देवता है, ये मेरा भगवान है। मैंने पूछा है- तुम्हारा भगवान कौन है, यदि तुम्हारे मन मे ये भाव आ गया कि मेरा भगवान 18 दोषों से रहित जिनेंद्र देव है, बस तुम्हारा कल्याण हो जाएगा हमारा यहाँ दान कितना देना है, इसका मूल्य नही है, यहाँ हमारे गजमोती भी कम है और मक्के के दाने भी अनमोल है। तुम्हारी शक्ति क्या है... ? जो शक्ति को छिपाता है वह साँप के काटे के समान जीता है और जो शक्ति से ज्यादा करता है, वह बिच्छू के काटे के समान तड़फसता है। साँप का कांटा सोए और बिच्छू का कांटा रोये। पड़ोसी कितनी रोटी खा रहा है हमें ये नही देखना है, हमारी जठराग्नि कितनी है हमें ये देखना है।

वेद ज्ञान

खुशी की खोज

जिंदगी नाम है सफर का, जिसमें इंसान कुछ हासिल करता है और कुछ हासिल नहीं कर पाता। इंसान के पास है खुशियां बांटती अनमोल जिंदगी, प्यारे रिश्ते-नाते, वायु, जल, फूल, हरी-भरी घास और नीला आसमान। कुदरत खुशियां बांटने में व्यस्त है। सच तो यह है कि हमारे पास खुशियां ग्रहण करने का वक्त नहीं बचा है। इंसान अतिव्यस्त है। तमाम ऐसी चीजों की गिनती करने में जो उसके पास नहीं है और बड़ा आलीशान बंगला, शानदार कार, स्टेटस, पॉवर वगैरह। इंसान यह बात भूल जाता है कि एक दिन सब कुछ यूं ही छोड़कर अगले सफर पर उसे निकलना है। विद्वान टॉमस फुलर ने कहा है कि जो भविष्य का भय नहीं करता, वही वर्तमान का आनंद उठा सकता है। इंसान नादान कस्तूरी मृग की भांति खुशबू की तलाश में जंगल-जंगल भटकता फिरता है। वह नहीं जानता कि खुशबू तो उसी की नाभि से उभर रही है। इसी प्रकार इंसान खुशी की खोज में मारा-मारा फिरता है, जबकि खुशी का फव्वारा तो उसकी सोच में उसी के भीतर समाया है। असल में खुशी का संबंध विभिन्न धर्मस्थलों से नहीं है, बल्कि यह एक प्रकार की सकारात्मक मानसिक स्थिति है। ध्यान रहे कि खुशी का मतलब सिर्फ अपना स्वार्थ पूरा करना नहीं है। हालांकि स्वार्थी व्यक्ति सिर्फअपनी खुशी को ही अहमियत देता है। यहां तक कि यदि उसे अपनी खुशी के लिए दूसरों की खुशियों पर पानी फेरना पड़े तो वह वैसा ही करेगा। सबक यह है कि खुशी बांटने वाली चीज है। यदि कोई व्यक्ति दूसरे के विचारों और उनकी खुशियों को आदर नहीं देता है तो वह खुद भी खुश नहीं रह सकता। एक और अनुभव की बात है कि अच्छा दिन खुशियां लाता है और बुरा दिन अनुभव। जिंदगी के लिए दोनों अतिआवश्यक हैं। इसलिए हर दिन खुशी से जीना चाहिए। वाकई बात पते की है। आज का दुख, उदासी, भूल और गलती सालों बाद अनुभव का खुशनुमा गुलदस्ता बन जाती है और अनुभव हर सफलता की सीढ़ी है। वस्तुतः चुनौतियों को स्वीकार करें ताकि आप विजय का उल्लास महसूस कर सकें। जिंदगी नाम है उतार-चढ़ाव का।

संपादकीय

सरकार के एक्शन का कितना होगा असर

पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय स्तर पर कुछ महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं में धांधली, प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने के मसले पर जिस तरह का रोष देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक है। ऐसे हर विवाद के बाद सरकार का यही आश्वासन सामने आता रहा है कि वह मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। मगर वर्षों से यह समस्या बदस्तूर कायम है। अब शुक्रवार को केंद्र सरकार ने जिस कानून को लागू किया है, उसका उद्देश्य प्रतियोगी

परीक्षाओं में गड़बड़ी और कदाचार पर रोक लगाना है। दरअसल, करीब चार महीने पहले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी मिली थी और अब इसे कानून की शक्ल में लागू किया गया है। इसके प्रावधानों को बेहद सख्त माना जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि अब अलग-अलग स्तर की परीक्षाओं में धांधली पर लगाम लगेगी। हाल में नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने और अन्य गड़बड़ियों से उपजे विवाद के बीच इस कानून को लागू करने के कदम को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) आदि द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है। यों परीक्षा में नकल या प्रश्न पत्रों को समय से पहले ही बाहर निकालना पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर इस कानून के पहले कोई धांधली किए जाने या अपराध होने की स्थिति में उससे निपटने के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं था। अब अगर नकल कराने जैसी अवैध हरकत के आरोप में कोई पकड़ा जाता है, दोषसिद्धि की स्थिति में उसे न्यूनतम तीन से पांच वर्ष तक के कारावास और ऐसे संगठित अपराध में शामिल लोगों को पांच से दस वर्ष तक की जेल की सजा दी जाएगी। इसमें न्यूनतम एक करोड़ रुपए जुर्माने का भी प्रावधान है। हालांकि इस कानून के तहत प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि अपराधों पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी अहमियत कई बार दस्तावेजों में सीमित रहती है। उसे वास्तव में लागू करने को लेकर मजबूत इच्छाशक्ति नहीं दिखती है। जबकि सख्ती से अमल को सुनिश्चित किए बिना कोई भी कानून बेमानी रहेगा। सरकार और संबंधित महकमों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि नकल का रोग पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर उस पर नकेल कसने के प्रति उदासीनता के क्या कारण रहे? आखिर किन वजहों से स्कूल-कालेज स्तर की परीक्षाओं में नकल की बीमारी नौकरियों और चिकित्सा या इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं तक में फैल गई? जबकि पिछले कुछ वर्षों में संवेदनशील परीक्षाओं में आधुनिक और उन्नत तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल बढ़ा है, साइबर क्षेत्र में नित नए प्रयोगों के जरिए भी बहुस्तरीय निगरानी का तंत्र भी मजबूत बनाया गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

साल 1991 में भारत ने अपने पूर्वी पड़ोसियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ व्यापक आर्थिक और सामरिक संबंध बनाने के लिए ''लुक ईस्ट पॉलिसी'' यानी 'पूर्व की ओर देखो नीति' बनाई थी, जो पश्चिम पर निर्भरता संबंधी पुरानी सोच से अलग थी। भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआई वाले इस दौर में यह विचार कर रहा है कि इस ताकतवर नई तकनीक को उसे कैसे बढ़ावा देना चाहिए और किस तरह इससे जुड़े नियम बनाने चाहिए, क्योंकि एआई हमारे उद्योग, समाज और भू-राजनीति को नया रूप दे सकती है। निस्संदेह, एआई से बड़े आर्थिक और सामाजिक लाभ मिलने की उम्मीद है, पर कॉपीराइट, मानवाधिकार हनन, निजता व निष्पक्षता से जुड़ी आशंकाएं भी कायम हैं। लिहाजा सवाल उठ रहे हैं कि एआई को नियमों के अधीन करने के लिए हमें क्या करना चाहिए? मेरा मानना है कि भारत को पूर्व की ओर देखना चाहिए और जापान से सीखना चाहिए, जो ऐसे नियम बना रहा है, जिसमें नवाचार का माहौल बनाने के साथ-साथ सुरक्षित एआई के प्रयोग पर जोर दिया जा रहा है। उसकी नजर में एआई ऐसा प्रेरक है, जो नवाचार और तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में दशकों से आए ठहराव को दूर कर सकती है। 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के लिए हम भी एआई से इसी तरह मदद ले सकते हैं। दरअसल, जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन का फायदा उठाया, जिसमें 'हिरोशिमा एआई प्रोसेस' (एआई सिस्टम बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमन को बढ़ावा देने वाला फ्रेमवर्क) द्वारा एआई को विनियमित करने के लिए प्रावधान बनाने पर जोर दिया गया। इसमें दो दृष्टिकोण सामने आए- पहला, यूरोपीय संघ या चीन के नियमों की तरह सख्त कानून बनाया जाए, और दूसरा, पारंपरिक सिद्धांतों और निगरानी को दरकिनार करके अपेक्षाकृत नरम कानून बनाना। जापान ने दूसरा नजरिया चुना। स्टेलेनबोश यूनिवर्सिटी की इंगे ओडेन्डाल ने अपने शोध-पत्र में उसके प्रयासों के बारे में बताया है। इनमें पहला है, सरकार का सुविधा-प्रदाता के रूप में काम करना- जापान की सरकार नवाचार से जुड़े प्रयासों को अपनी मुट्ठी में कैद करने के बजाय उसके लिए सुविधा मुहैया कराने वाली संस्था बनना पसंद करती है। वह निजी क्षेत्र को अगुवा मानती है और अपने विभागों को उनकी मदद के लिए सक्रिय रहने को कहती है। हम भी ऐसा कर सकते हैं। हमारी सरकार को निजी क्षेत्र को केंद्र में रखना चाहिए और तमाम मंत्रालयों के माध्यम से सहयोगी भूमिका निभानी चाहिए। दूसरा है, वित्तपोषण और निवेश पर ध्यान- जापान ने जेनरेटिव एआई, घरेलू डाटा सेंटर और स्थानीय चिप उत्पादन के लिए एक बड़ा कोष बनाया है। इससे तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी में प्रोत्साहन व सब्सिडी प्रदान की जाती है। भारत में भी इस तरह का कोष है, जो इंडिया एआई योजना के तहत बना है। मगर अंतर यह है कि इसका उपयोग प्रसंस्करण इकाइयों की खरीद पर अधिक हो रहा है, न कि जापान की तरह नवाचार पर। तीसरा है, सरकार, अकादमिक और उद्योग में सामंजस्य- 'एआई जापान आरऐंडडी नेटवर्क' देश के तमाम विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी क्षेत्र व वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर एआई शोध और कंपनियों से जुड़ी नीतियों की सिफारिश करता है।

मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ-मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था रूवा द्वारा संचालित इंटर्नशिप ट्रेनिंग कार्यक्रम के तहत मेडिकल एवं हैल्थ प्रकोष्ठ ,रूवा द्वारा डॉ मालती गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं कन्वेनर, रूवा, मेडिकल एवं हैल्थ प्रकोष्ठ, के निर्देशन में pucl तथा अन्य संस्थाओं के इन्टर्नस के लिए दिनांक 24 जून को मानसिक स्वास्थ्य विषय के संदर्भ में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। सर्वप्रथम इन्टर्नस को आदर्श नगर स्थित सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के साइकियाट्रिक सेंटर की विजिट के लिए ले जाया गया, जहां प्रोफेसर डॉ ललित बत्रा, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट एवं प्रोफेसर डॉ गुंजन सोलंकी की टीम के सदस्यों ने एक साइकियाट्रिक केंद्र के संचालन, एवं विभिन्न गतिविधियों के विषय में जानकारी उपलब्ध करवाई। तदोपरांत आज के कार्यक्रम की मुख्यवक्ता डॉ अनामिका पापड़ीवाल, शहर की प्रसिद्ध साइकोथैरेपिस्ट एवं काउन्सलर ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता विषय पर इन्टर्नस को संबोधित किया तथा उनके द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। डॉ अनामिका ने बढ़ते हुए आत्महत्या के केसों पर चिंता जताते हुए बताया कि मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का मतलब उन कार्यों से है जिनका उद्देश्य व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करके, सामाजिक कलंक को तोड़कर मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही मॉडल तैयार करना है। मानसिक स्वास्थ्य के बारे में गलत धारणाओं के कारण अक्सर लोग चुप रह जाते है जिससे उन्हें समय पर मदद नहीं मिल पाती है। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के चार मुख्य लाभ है जिनमें लक्षणों को समझना और समय पर उपचार, अपनी मानसिक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहन, माता-पिता, संबंधी, समाज, केयरटेकर को मानसिक रोगी के साथ देखभाल के बारे में समझाना और मानसिक तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना है। कार्यक्रमों की इसी कड़ी में डॉ मालती गुप्ता द्वारा रचित कविता पानी और आग एक अनूठा संगम पोस्टर मुख्य वक्ता, डॉ अनामिका द्वारा release किया गया एवं इस कविता पर आधारित रिफ 2023 एवं जिफ 2024 द्वारा अवार्ड पाया गया वीडियो भी दिखाया गया जिससे इन्टर्नस ने कुछ नया सीख और जिसे उनके द्वारा बहुत सराहना मिली।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के चार्टर अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा सम्मानित

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 की अवॉर्ड सेरेमनी 'आभार' भीलवाड़ा स्थित एक रिसॉर्ट में संपन्न हुई। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निर्मल कुनावत ने रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के चार्टर अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन को रोटरी डिस्ट्रिक 3056

की डिस्ट्रिक कांफ्रेंस के सफल आयोजन व सेवा क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए रोटरी इंटरनेशनल द्वारा भेजे गए सर्विस अबोव सेल्फ अवॉर्ड व रोटरी डिस्ट्रिक्ट को प्रदान किए गए सहयोग के लिए विशिष्ठ श्रेणी में नवरतन अवॉर्ड व बेस्ट डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन का अवार्ड प्रदान किया। अवॉर्ड सेरेमनी में डिस्ट्रिक्ट मेंटर अशोक गुप्ता,ट्रेनर अजय काला,बड़ी संख्या में पूर्व प्रांत पाल व राजस्थान के सभी क्लब से पधारे हुए अध्यक्ष सचिव व रोटेरियन उपस्थित थे।

चतुर्थ पुण्यतिथि 24.06.2024 पर हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारी प्रेरणास्त्रोत, धर्म परायण, धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल

''मीठी मधुर स्मृतियां आपकी कभी नहीं मिट पाएंगी। आपका वात्सल्य आपकी बातें सदैव याद आएंगी।।''

जन्म
5 अगस्त, 1959
स्वर्गवास
24 जून, 2020

श्रीमती सुशीला देवी जैन लुहाड़िया

धर्म पत्नि श्री विनोद कुमार जैन शास्त्री ज्योतिषाचार्य, (पूर्व अध्यक्ष जेएसजी मानसरोवर)

श्रद्धावनत :

राजदेवी (सास), विक्रम-नीता, मनोज-मेघना (पुत्र-पुत्रवधु), चंचल-राजेश बगड़ा (पुत्री-दामाद), गुनगुन, दीपक, मानव, खुश (पोत्रि-पोत्र), रोशन, गौरव (दोहिता) समस्त लुहाड़िया परिवार।

पीहर पक्ष : लाल चंद (पिता) कमलेश-उषा गंगवाल, भाई-भाभी।

Gungun Paradise Jewels
607, Nagorio Ka Chowk , Bordi ka Rasta, Kishan Pol Bazar, Jaipur 302003 ★ Vikarm 9529490441, Manoj 9314527732

अष्ट धातु से बनी 350 किलोग्राम वजनी गणेश प्रसाद वर्णी जी की मूर्ति जन्म भूमि हंसेरा में हुई स्थापित

ललितपुर. शाबाश इंडिया। बुंदेलखंड सहित देशभर में शिक्षा की अनोखी अलख जगाने वाले जनपद के ग्राम हँसेरा (मड़ावरा) में जन्मे गणेशप्रसाद जी वर्णी जी की 150 वी जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वर्णी जी की मूर्ति रथ पर विराजमान होकर मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश के विभिन्न नगरों, कस्बों में होते हुए वर्णी जी की जन्मभूमि ग्राम हँसेरा आगमन हुआ जिसका भव्य स्वागत करने ग्रामवासी उमड़ पड़े। गणेश वर्णी प्रभावना रथ ग्राम के मुख्य मार्गों से गाजे-बाजे के साथ प्रभावना करते हुए नव निर्मित वर्णी स्मारक पहुँचा। रास्ते में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती उतारी व स्वागत किया, खासतौर पर गांव की महिलाओं ने जहाँ अपने दरवाजे पर आरती उतारी, नमन किया वहीं बालिकाओं ने अपने मस्तिष्क पर मंगल कलश रखकर अपने ग्राम की महान विभूति को नमन किया। बड़ी संख्या में वर्णी विकास संस्थान समिति एवं ग्रामवासी रथ के साथ चलते हुए वर्णी जी के जयकारे लगाते हुए नृत्य करते हुए चल रहे थे।

लायन क्लब जयपुर मेट्रो ने एक व्हील चेयर और एक ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर भेट किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायन क्लब जयपुर मेट्रो ने एक व्हील चेयर और एक ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर गुड जॉब क्लब की महिलाओं की तरफ से प्राप्त की। लायन क्लब की तरफ से स्लू लायन गोविंद जी शर्मा टखत्रूलायन सुरेंद्र जैन लायन विमल गोलेचा लायन महेश महेश माहेश्वरी लायन संजय बंसल लायन अनिल जैन लायन अशोक गंगवाल और कई लायन मेम्बर उपस्थित थे। यह कार्यक्रम दिगंबर जैन मंदिर दुगार्पुरा में किया गया फिर व्हील चेयर और ऑक्सीजन कॉन्सट्रैक्टर को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन को सेवा कार्य के लिए दिया सोशल ग्रुप से प्रेसिडेंट राजेश बडजात्या और सेक्ट्रेरी निर्मल सांघी संस्थापक प्रेसिडेंट अनिल जैन उपस्थित रहे।

किसी को देना हो तो दो अच्छा समय : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्या भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पर विराजमान है। माताजी ससंघ सान्निध्य में प्रातःकालीन अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य भक्तों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात भक्ति भाव के साथ अर्घ्य समर्पण किये गये। प्रभु एवं गुरु के दर्शन हेतु भक्तों का ताता लगा हुआ था। इसी क्रम में अनेक दिन मंदिरों के दर्शन माताजी ससंघ ने किया। गुरु भक्त परेश जैन मोहनवाड़ी जयपुर सपरिवार ने पूज्य गुरुमां की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - अगर हम जीवन में कुछ हासिल करना चाहते हैं, कुछ बनना चाहते हैं, तो आपके लिए अनिवार्य है की आप समय की कीमत को समझे। आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण मशीन रेल का इंजन नहीं बल्कि घड़ी है। इंसान वक्त उसी को देता है जिसे वो देना चाहता है, बाकी सब बहाने है कि वक्त नहीं मिलता। समय के पास इतना समय नहीं कि आपको दोबारा समय से सकें। जब हम अपने रिश्तों के लिए वक्त नहीं निकाल पाते, तो वक्त अपने बीच से उस रिश्ते को निकाल देता हैं। अगर किसी को कुछ देना चाहो तो उसे अच्छा वक्त दो , क्योंकि आप हर चीज वापस ले सकते हैं लेकिन किसी को दिया हुआ अच्छा वक्त नहीं। कल 25 जून 2024 को प्रातः 5:30 बजे आर्यिका ससंघ का विहार सेठी कॉलोनी जयपुर की और होने जा रहा है।

JSG Jain Social Groups International Federation Grow more to Serve more

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

श्री सुधीर-श्रीमती नीलू जैन

सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

25 जून ' 24

Happy Anniversary

6399516911

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष : सुनील सोगानी, आई पी पी : राहुल जैन

संस्थापक अध्यक्ष : मनीष झांझरी

पूर्व अध्यक्ष : अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष : संजय जैन

उपाध्यक्ष : अजय बड़जात्या, सचिव : विशुतोष चाँदवाड

सह सचिव : महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष : सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

प्रतिभाशाली बच्चों को आचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर अवार्ड वितरित

सन्मति फाउंडेसन के वार्षिकोत्सव पर हुआ भव्य आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। सन्मति फाउंडेशन संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर अवार्ड वितरित किए गए। सन्मति फाउंडेशन के संस्थापक शिरोमणी संरक्षक महेंद्रकुमार जैन मधुवन द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार विगत दिवस सन्मति फाउंडेशन के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आर्चिड ग्रैंड दिल्ली में भव्य समारोह के दौरान मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन आगरा एवम इंजीनियर पवन जैन पीएस होटल शिवपुरी ने अनन्या जैन लक्ष्मी नगर, पलक जैन हिंडोनसिटी, अनुष्का जैन गाजियाबाद, रिद्धी जैन दिल्ली, निष्का जैन नोएडा, अंकित जैन राजाखेड़ा को आचार्य श्री सन्मति सागर अवार्ड के तहत स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, धनराशि का चैक आदि देकर सम्मानित किया। सन्मति फाउंडेसन के अध्यक्ष अनिलकुमार जैन एवम महामंत्री नवीन कुमार जैन ने जानकारी देते हुये बताया कि छात्र छात्राओं को अवार्ड की राशि के चैक राजेंद्र कुमार जैन नोएडा एवम अनिलकुमार जैन नोएडा द्वारा प्रदान किए गए। समारोह में दीप प्रज्वलन इंजीनियर भूपेंद्र जैन ग्रीनपार्क, अजीत जैन सफदरजंग, सीए विमल जैन मयूर विहार, सुनील जैन मोना जनरेटर, जिनेंद्र प्रभु के चित्र का अनावरण अजय जैन साउथ एक्सटेंशन, सुदीप जैन गुरुग्राम, सुरेश जैन साउथ एक्सटेंशन, आचार्य श्री के चित्र का अनावरण सुरेश जैन द्वारिका, राजीव जैन जनकपुरी, दिवस जैन अलंकार प्रकाशन, मनोज जैन करोलबाग, जिनवाणी स्थापना मुन्नी जैन मधुवन, शशी कमलेश जैन नायक गुरुग्राम, जहान्वी जैन खेलगांव द्वारा की गई। कार्यक्रम के शुभारंभ में सन्मति फाउंडेसन की महिला ट्रस्टियों द्वारा अथिति स्वागत गान प्रस्तुत किया गया । बालिकाओं द्वारा भक्तिमय नृत्य किए गए। कार्यक्रम के मध्य कोटा से पधारे सीए अजय जैन द्वारा अपनी सुमधुर आवाज में प्रस्तुत किए गए गीतों पर सभी लोग मंत्र मुग्ध होकर झूम उठे। संस्था के महामंत्री नवीन जैन ने सन्मति फाउंडेसन की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। सन्मति फाउंडेसन की ओर से मुख्य अथिति राज्यसभा सांसद नवीन जैन आगरा, इंजीनियर पवन जैन पीएस शिवपुरी, अथिति मनोज जैन नायक मुरैना, संस्था के शिरोमणी संरक्षक महेंद्र जैन मधुवन, अशोक जैन वर्धमान जनरेटर का प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शॉल, श्रीफल आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में मंच संचालन कुशल मंच संचालिका कोकिल कंठ श्रीमती नीरू जैन गणेशनगर ने किया।

विज्ञान मति माताजी संघ के सानिध्य में आदिनाथ विधान का आयोजन

वागड़. शाबाश इंडिया। परम पूज्य 105 विज्ञान मति माताजी के सानिध्य में वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान नेमिनाथ भगवान की विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया। अभिषेक पश्चात भगवान आदिनाथ की प्रतिमा पांडाल में लाकर गनकोटी में विराजमान किए गए। उसके पश्चात माताजी के सानिध्य में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया । अभिषेक करने का सौभाग्य नानावटी विनोद चंद्र पंचोरी दीक्षांत संजय को प्राप्त हुआ। नमन भैया के मधुर स्वर के साथ मंगल कलशो की स्थापना की गई प्रमुख पात्र सोधर्म इंद्र, कुबेर इंद्र यज्ञ नायक का बोली के माध्यम से चयन किया गया। पिंडारमीर्या राजेंद्र कुमार पिंडारमीर्या निलेश जीतमल पंचोरी संजय रमलाल पंचोरी गांधी अनिल कुमार अमृतलाल आदि को सौभाग्य प्राप्त हुआ । इस अवसर पर शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य वीना दीदी परिवार को प्राप्त हुआ। माताजी के मुखारविंद से आदिनाथ विधान के अर्ग चढ़ाए गए । इस अवसर पर महिलाओं द्वारा अष्ट द्रव्य के थाल सजाकर बड़े भक्ति भाव से नाचते गाते हुए विधान के अर्ग चढाऐ महिलाएं केसरिया वस्त्र में एवं पुरुष सफेद वस्त्र में विधान के अर्ग बारी बारी से चढा रहे थे। इस अवसर पर नौगामा नगर के पंचो द्वारा माताजी को चातुर्मास हेतु श्रीफल पेट किया गया माताजी द्वारा मंगल आशीर्वाद प्रदान किया गया एवं तीन माता जी का मंगल चातुर्मास नौगामा नगर में होने की स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी सुभाष चंद्र नानावटी द्वारा किया गया उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने इंदौर में वर्षा योग किए जाने का दिया संकेत

कहा कि आपकी भावनाएं फलीभूत होंगी

राजेश जैन दद्दू, शाबाश इंडिया

भोपाल। विराजित समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य एवं शिखर जी में बन रहे सुदर्शनीय जैन तीर्थ गुणायतन के प्रणेता मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ का इस वर्ष 2024 का चातुर्मास इंदौर में हो जैन समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस भावना से रविवार को इंदौर से 71 बसों एवं 140 कारों से दिगंबर जैन समाज इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों से भोपाल पहुंचे लगभग 4000 श्रद्धालु मुनि भक्तों ने मुनि ससंघ के श्री चरणों में सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र के नाम से सुसज्जित विशेष श्रीफल समर्पित करते हुए इंदौर में वर्षा योग किए जाने का निवेदन किया। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज इंदौर के अध्यक्ष नरेंद्र वेद, दयोदय चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र पप्पा जी, तुकोगंज दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष श्रीमती रानी अशोक डोसी, सोशल ग्रुप फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू, श्रीफल समर्पण महा महोत्सव के प्रमुख मनोज अनामिका बाकलीवाल, समाजसेवी इंद्र सेठी, जैनेश झांझरी, हर्ष जैन,मनीष नायक महावीर जैन , पवन सिंघई,एवं ब्रह्मचारी अनिल भैया, नितिन भैया अभय भैया ने प्रथक प्रथक निवेदन करते हुए कहा कि गुरुदेव बर्षो से इंदौर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है इस बार पूरा इंदौर सच्चे मन से एक मत होकर अपनी भावना प्रदर्शित करते हुए निवेदन कर रहा है की आप इस वर्ष अपना चातुर्मास इंदौर में करने की स्वीकृति प्रदान करें। हम सबका संकल्प है कि हम एकजुट होकर इंदौर में आपका चातुर्मास ऐतिहासिक एवं तन, मन, धन से संपन्न कराएगें, आप स्वीकृति प्रदान करें। प्रत्युत्तर में मुनिश्री प्रमाण सागर जी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि चातुर्मास का लाभ लेने के लिए सभी लोग हमेशा तत्पर रहते हैं लेकिन इस बार इंदौर वालों की तत्परता कुछ ज्यादा ही दिखाई दे रही है और आप लोगों की इतनी अधिक संख्या में उपस्थिति आप सब के अंदर के उत्साह को भी उजागर कर रही है। आपके निवेदन के संबंध में इतना ही कहूंगा कि यह सच है कि इंदौर वाले चातुर्मास के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे हैं इंदौर हमारे ध्यान में है। कुंडलपुर से हमारी गाड़ी इंदौर के लिए ही निकली है जो अभी भी ट्रैक पर है करतल ध्वनि के बीच मुनिश्री ने यह भी संकेत दिया कि आप सब ने आज जो भावना भाई है वह अवश्य फलीभूत होगी, संशय न करें। अंत में आपने इन पंक्तियों के साथ आशीर्वाद देते हुए कहा कि एक न एक शमा जलाए रखिए, सुबह जरूर होगी, माहौल बनाए रखिए। प्रारंभ में गीतकार चिंतन बाकीवाला ने मंगलाचरण किया। आचार्य श्री के चित्र का अनावरण सुरेश जैन आई ए एस, राजेश जैन आई ए एस, एवं गुणायतन परिवार के सदस्यों ने किया। दीप प्रज्वलन किया विद्यासागर संस्थान भोपाल के पदाधिकारियों एवं मनोज,अरविंद व सूतवाला परिवार ने। मुनि श्री के पाद प्रक्षालन नवीन आनंद गोधा परिवार ने किया एवं मुनि संसघ को शास्त्र भेंट रानी अशोक डोसी, रमेश जैन, एवं सुनील बिलाला ने किए। संचालन ब्रह्मचारी अभय भैया ने किया।

राजस्थान में जल्द हो जाएंगी 26 एकेडमी

जयपुर. कासं। राजस्थान में प्रमुख अकादमियों और केंद्रों की संख्या 18 से बढ़कर 26 करने की तैयारी है। राज्य सरकार आठ अकादमी की औपचारिक घोषणा जल्द करेगी। इनमें अध्यक्ष, सदस्यों आदि की राजनीतिक नियुक्तियों का दौर भी जल्द देखने को मिलेगा। प्रदेश में 1986 के बाद यानी 38 साल बाद इतने बड़े स्तर पर अकादमियों का गठन हो रहा है। इन अकादमियों को अलग से जमीन या फिहलाल अस्थाई ऑफिस, सालाना बजट आदि भी मिलेगा। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी की स्थापना को मंजूरी दी थी। यह अकादमी जैन धर्म के लोक साहित्य के प्रकाशन एवं मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिए कार्य करना तय हुआ था। अकादमी में पदाधिकारी पूरे नहीं बन पाए। अकादमी गठन की शुरूआत जयपुर से हुई प्रदेश में सबसे पहली अकादमी जयपुर में राजस्थान स्कूल ऑफ आर्टस क्राफ्ट्स 1866 में बनी थी। फिर नाम बदलकर स्कूल ऑफ आर्ट कर दिया था। विद्या भवन संस्थान 1931 में उदयपुर में बना। इसके बाद प्राच्यविद्या संस्थान जोधपुर में बना।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

नसीहत वह सच्चाई है जिसे हम गौर से नहीं सुनते, और तारीफ वो धोका है जिसे हम हर वक्त सुनना पसंद करते हैं...!

धैर्य से काम लें, किसी भी बात का जल्दी जबाव न दें। यदि आपको कोई उत्तेजित करता है, तो आप जल्दी उत्तेजित ना हो, ना जल्दी जवाब दें। जवाब देने या लिखकर भेजने से पहले कुछ समय शान्त हो जायें। ध्यान रखें -- इन्टरनेट के इस दौर में आप ऐसा कुछ भी लिखकर ना छोड़ें जो बाद में आपकी परेशानी बन जाये। किसी भी बात की जल्दी प्रतिक्रिया ना दें। किसी अपने अच्छे निष्पक्ष दोस्त से सलाह लेकर फिर प्रतिक्रिया दें। कोई आपके लिये कुछ अच्छा या बुरा बोल रहा है तो चिन्तन और मन्थन करें। ध्यान रखें कि जब आप सफलताओं के शिखर पर पहुंचने लगते हैं, तो आपके अपने ही कुछ लोग असहज हो जाते हैं और आलोचना करना शुरू कर देते हैं। आज के इस दौर में आलोचना ही सफलता की निशानी है। जो हम देंगे वापिस वही हमें मिलेगा। सबके अन्दर एक ताकत होती है सहन करने की और ना सहन करने की। मछली जंगल में दौड़ नहीं सकती और शेर पानी का राजा नहीं बन सकता। सबमें अपनी खूबी तो किसी में खामियां होती है। एक समय था जब लोगों को जादू पर भी यकीन हो जाता था। आज लोगों को हकीकत पर भी यकीन नहीं होता। सोचो कभी ऐसा हो तो क्या हो।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com